भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 28 जुलाई, 2025
जारी करने का समय: 1330 घंटे

विषय: i) अगले 4 दिनों के दौरान मध्य प्रदेश और राजस्थान में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है, 28 और 29 जुलाई को पूर्वी राजस्थान में, 28 जुलाई को गुजरात क्षेत्र और पश्चिमी मध्य प्रदेश में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है।

ii) अगले 7 दिनों के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है। 28 जुलाई को मेघालय में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है।

iii) 28-31 जुलाई के दौरान पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और अगले 2-3 दिनों के दौरान आसपास के मैदानी इलाकों में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में 28 जुलाई, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:

- ❖ दक्षिण-पूर्व राजस्थान, दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश, उत्तरी गुजरात क्षेत्र और मेघालय में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ मध्य महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, बिहार, मिजोरम, असम के घाट क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) दर्ज की गई है; पंजाब, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान, सिक्किम, कोंकण, अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ अधिक जानकारी के लिए कृपया **अनुलग्नक I देखें।**

i. मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

- ✓ मानसून की द्रोणिका समुद्र तल पर अपनी सामान्य स्थिति के करीब चल रही है।
- ✓ उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश पर कल बना सुचिह्नित निम्न दबाव का क्षेत्र आज सुबह 0530 बजे भारतीय मानक समय पर कमजोर होकर उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश और उससे सटे पूर्वी राजस्थान पर निम्न दबाव के क्षेत्र में बदल गया और आज, 28 जुलाई, 2025 को सुबह 0830 बजे भारतीय मानक समय पर उसी क्षेत्र में बना रहा।
- ✓ निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तर-पूर्व अरब सागर से दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश तक एक द्रोणिका बनी हुई है।
- ✓ मध्य क्षोभमंडलीय स्तर पर एक द्रोणिका के रूप में देखा जाने वाला एक पश्चिमी विक्षोभ मोटे तौर पर देशांतर 65° पूर्व से अक्षांश 30° उत्तर के उत्तर में चल रहा है।
- ✓ एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण उत्तरी बांग्लादेश और निचले तथा मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर स्थित है।
- ✓ निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तर बिहार से मणिपुर तक एक द्रोणिका बनी हुई है।

इन प्रणालियों के प्रभाव से निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ✓ 28 और 29 जुलाई को पूर्वी राजस्थान में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है, जबकि 30 और 31 जुलाई को बहुत भारी वर्षा हो सकती है।

- ✓ 28 जुलाई को उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों पर; 29 जुलाई को पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश में कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा हो सकती है।
- ✓ 28 जुलाई से 3 अगस्त के दौरान उत्तराखंड में कुछ स्थानों पर; 28-30 जुलाई और 3 अगस्त के दौरान हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 28, 29 जुलाई और 3 अगस्त को पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में; 1 अगस्त को पूर्वी राजस्थान में और 28 जुलाई से 1 अगस्त के दौरान पश्चिमी राजस्थान में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है।
- ✓ अगले 7 दिनों के दौरान पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और मैदानी इलाकों में कुछ स्थानों पर गरज के साथ कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ✓ 28 जुलाई को उत्तरी गुजरात क्षेत्र में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ✓ 28 और 29 जुलाई को कोंकण, गुजरात क्षेत्र, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में; 28 जुलाई को सौराष्ट्र और कच्छ में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है तथा 28 जुलाई को मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ✓ अगले 6-7 दिनों के दौरान क्षेत्र में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ✓ 28 जुलाई को मेघालय में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ✓ 28 जुलाई से 3 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है। कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ गरज के साथ बारिश और बिजली गिरने की संभावना है।

पूर्वी और मध्य भारत:

- ✓ 28 जुलाई को पश्चिमी मध्य प्रदेश में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ✓ 28-31 जुलाई के दौरान मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में; 28 जुलाई से 3 अगस्त के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 28 जुलाई से 2 अगस्त के दौरान बिहार में; 28-30 जुलाई के दौरान झारखंड, गंगीय पश्चिम बंगाल में; 29 जुलाई को ओडिशा में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है; 28 जुलाई को झारखंड, गंगीय पश्चिम बंगाल में; 28 और 29 को बिहार में; 29 को मध्य प्रदेश में; 2 और 3 अगस्त को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ✓ अगले 5 दिनों के दौरान इस क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा के साथ-साथ गरज, बिजली और तेज़ हवाएँ (30-40 किमी प्रति घंटे की गति) चलने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ✓ 28-30 तारीख के दौरान केरल और माहे में; 28 और 29 तारीख को तटीय कर्नाटक; 28 जुलाई को दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ✓ अगले 5 दिनों के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में तेज़ सतही हवाएँ (40-50 किमी प्रति घंटे की गति) चलने की संभावना है।
- ✓ अगले 7 दिनों के दौरान केरल और माहे, लक्षद्वीप, कर्नाटक, रायलसीमा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और तेलंगाना में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- ✓ मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 28 जुलाई से 2 अगस्त 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में जाने से बचें:
  अरब सागर:

- ✓ 28 से 31 जुलाई के दौरान गुजरात, कोंकण और गोवा तथा कर्नाटक तटों और आसपास के समुद्री क्षेत्र में, 1 अगस्त तक गुजरात और कोंकण के ऊपर, दक्षिण-पूर्व के कई हिस्सों में, पूर्व मध्य, उत्तर-पूर्व अरब सागर और दक्षिण-पश्चिम

के कुछ हिस्सों में, 28 जुलाई से 2 अगस्त के दौरान पश्चिम मध्य के कई हिस्सों में, केरल तटों और आसपास के क्षेत्रों में, लक्षद्वीप, मालदीव, कोमोरिन क्षेत्रों में, 28 जुलाई से 30 जुलाई के दौरान; 28 जुलाई से 2 अगस्त के दौरान सोमालिया तट और आसपास के समुद्री क्षेत्रों, दक्षिण ओमान और आसपास के यमन तट और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में; 28 जुलाई से 2 अगस्त 2025 के दौरान मध्य अरब सागर से सटे उत्तरी अरब सागर के दक्षिणी भाग के क्षेत्रों में जाने से बचें।

बंगाल की खाड़ी:

- ✓ 28 जुलाई के दौरान उत्तरी आंध्र प्रदेश तट के साथ-साथ, 29 जुलाई के दौरान दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में और 28 जुलाई के दौरान पश्चिम-मध्य और उससे सटे उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में; 28 जुलाई और 29 जुलाई के दौरान मन्नार की खाड़ी के क्षेत्रों में जाने से बचें।
- ✓ उपर्युक्त क्षेत्रों और तिथियों में मछली पकड़ने के कार्यों को पूरी तरह से स्थगित करने का सुझाव दिया गया है।

ii. 28 से 31 जुलाई 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- ✓ **गुजरात क्षेत्र:** दस्क्रोई (जिला अहमदाबाद) 26; नडियाद (जिला खेड़ा) 22; मटर (जिला खेड़ा) 19; महुधा (जिला खेड़ा), वासो (जिला खेड़ा) 15 प्रत्येक; महेमदावद (जिला खेड़ा), बिलोदरा एडब्ल्यूएस (जिला खेड़ा) 14 प्रत्येक; उमरेठ (जिला आणंद), साणंद (जिला अहमदाबाद), खेड़ा (जिला खेड़ा) 12 प्रत्येक; वी.विद्यानगर एसआर (जिला आनंद), ढोलका (जिला अहमदाबाद), ढोलका एआरजी (जिला अहमदाबाद), बोडेली (जिला छोटा उदेपुर), बोरसद (जिला आनंद) 9 प्रत्येक; कथलाल (जिला खेड़ा), जम्बुघोड़ा (जिला पंचमहल), आनंद (जिला आनंद), उमरपाड़ा (जिला सूरत), गल्तेश्वर (जिला खेड़ा), सुबीर (जिला डांग्स) 8 प्रत्येक; थसरा (जिला खेड़ा), वानकबोरी (जिला महीसागर), भाभर (जिला बनासकांठा), कपडवंज (जिला खेड़ा), बावला (जिला अहमदाबाद), जेतपुर पावी (जिला छोटा उदेपुर), देसर (जिला वडोदरा), पाटन (जिला पाटन) 7 प्रत्येक;
- ✓ **पूर्वी राजस्थान**: रामगंजमंडी एसआर (जिला कोटा) 24; डग (जिला झालावाड़) 17; झालरापाटन एसआर (जिला झालावाड़) 16; जहाजपुर (जिला भीलवाड़ा) 15; अटरू एसआर (जिला बारां), बिजोलिया एसआर (जिला भीलवाड़ा), अरनोद एसआर (जिला प्रतापगढ़) 14 प्रत्येक; प्रतापगढ़ (जिला प्रतापगढ़) 13; बकानी एसआर (जिला झालावाड़), निम्बाहेड़ा (जिला चित्तौड़गढ़) 12 प्रत्येक; पचपहाड़ एसआर (जिला झालावाड़), पिरावा (जिला झालावाड़), देवली (जिला टोंक) 11 प्रत्येक; अकलेरा (जिला झालावाड़), बारां (जिला बारां) 10 प्रत्येक; हिंडोली (जिला बूंदी), मनोहर थाना (जिला झालावाड़), धरियाबाद (जिला प्रतापगढ़), सावर एसआर (जिला अजमेर), पीपलखूंट एसआर (जिला प्रतापगढ़) 9 प्रत्येक; असनावर एसआर (जिला झालावाड़), बेगू एसआर (जिला चित्तौड़गढ़) 8 प्रत्येक; मांगरोल (जिला बारां), सल्लोपाट एसआर (जिला बांसवाड़ा), माउंटनाबू तहसील एसआर (जिला सिरोही), भैंसरोडगढ़ एसआर (जिला चित्तौड़गढ़), बड़ेसर एसआर (जिला चित्तौड़गढ़), अंता एसआर (जिला बारां) 7 प्रत्येक;
- ✓ **असम और मेघालय:** चेरापूंजी (आरकेएम) (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 20; मावसिनराम (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 17; चेरापूंजी (जिला पूर्वी खासी हिल्स), तिहु एआरजी (जिला नलबाड़ी) 13 प्रत्येक; बारपेटा/सरभोग एडब्ल्यूएस (जिला बारपेटा), मावफलांग (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 9 प्रत्येक; दुधनोई एआरजी (जिला गोलपाड़ा), बजाली एडब्ल्यूएस (जिला बजाली) 8 प्रत्येक; बोकाखाट एआरजी (जिला गोलाघाट) 7;

- ✓ **पश्चिम मध्य प्रदेश:** ब्यावरा (जिला राजगढ़) 19; भानपुरा (जिला मंदसौर), सुसनेर (जिला आगर-मालवा), जीरापुर (जिला राजगढ़) 18 प्रत्येक; गरोठ (जिला मंदसौर), मनासा (जिला नीमच), जावद (जिला नीमच), खिलचीपुर (जिला राजगढ़) 14 प्रत्येक; सुवासरा (जिला मंदसौर), नीमच-आव्स (जिला नीमच), नलखेड़ा (जिला आगर-मालवा) 10 प्रत्येक; बड़ौद (जिला आगर-मालवा), शामगढ़ (जिला मंदसौर), संजीत (जिला मंदसौर) 9 प्रत्येक; राजगढ़ (जिला राजगढ़) 8; चाचौड़ा (जिला गुना), आलोट (जिला रतलाम), सीतामऊ (जिला मंदसौर), मल्हारगढ़ (जिला मंदसौर), पचोर (जिला राजगढ़), कायमपुर (जिला मंदसौर), भावगढ़ (जिला मंदसौर) 7 प्रत्येक;
- ✓ **हिमाचल प्रदेश:** कांगड़ा एपी (जिला कांगड़ा) 14; पालमपुर (जिला कांगड़ा) 7;
- ✓ **मिजोरम और त्रिपुरा**: जिरानिया एआरजी (जिला पश्चिम त्रिपुरा) 10; लिलोंग एआरजी (जिला थौबल) 9;
- ✓ **सिक्किम**: दार्जिलिंग (जिला दार्जिलिंग) 10;
- ✓ **अरुणाचल प्रदेश**: नाहरलागुन एडब्ल्यूएस (जिला पापुमपारा) 9; रोइंग (जिला निचली दिबांग घाटी) 7;
- ✓ **पश्चिम राजस्थान:** बाली (जिला पाली) 9;
- ✓ **मध्य महाराष्ट्र:** महाबलेश्वर (जिला सतारा) 8; राधानगरी (जिला कोल्हापुर) 7;
- ✓ **कोंकण**: माथेरान (जिला रायगढ़) 8;
- ✓ **पंजाब**: रणजीत सागर बांध स्थल (जिला पठानकोट) 8;
- ✓ **पूर्वी उत्तर प्रदेश**: प्रतापगढ़ (t) (जिला प्रतापगढ़) 8; जौनपुर सीडब्ल्यूसी (जिला जौनपुर) 7;
- ✓ **झारखंड:** पूर्वी टुंडी (जिला धनबाद) 8.

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	**Subdivision**	**28- Jul**	**29- Jul**	**30- Jul**	**31- Jul**	**1- Aug**	**2- Aug**	**3- Aug**
		Day 1	**Day 2**	**Day 3**	**Day 4**	**Day 5**	**Day 6**	**Day 7**
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	WS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	WS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	WS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
9	BIHAR	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
12	UTTARAKHAND	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS
14	PUNJAB	SCT	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	FWS	WS	FWS	FWS	SCT	ISOL
17	WEST RAJASTHAN	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	FWS	FWS	WS	FWS	FWS	SCT	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	WS	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT
20	EAST MADHYA PRADESH	WS	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT
21	GUJRAT REGION	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
22	SAURASHTRA & KUTCH	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
24	MADHYA MAHARASHTRA	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
27	CHHATTISGARH	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	FWS	FWS	FWS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

अनुलग्नक III

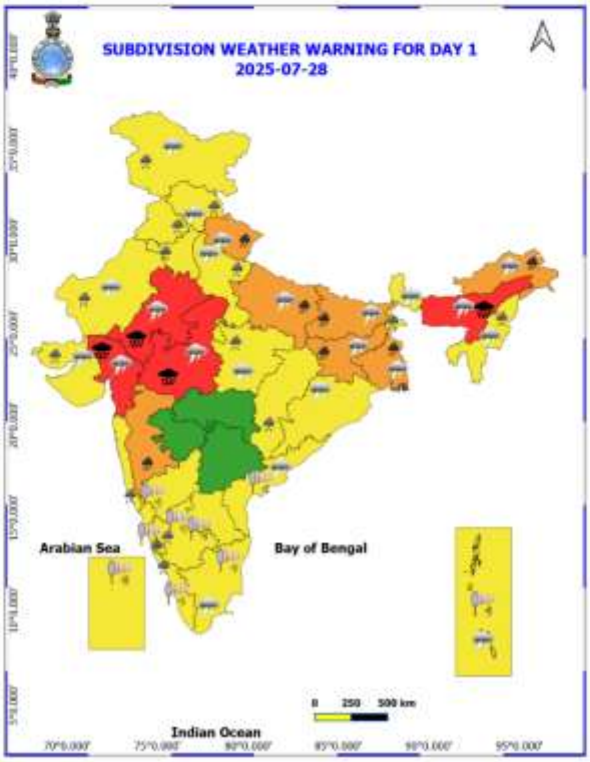
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-07-28
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

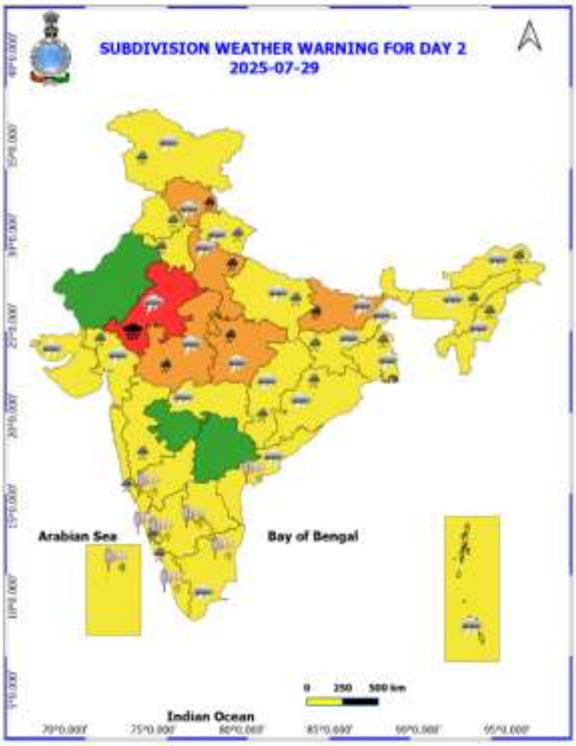
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-07-29
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

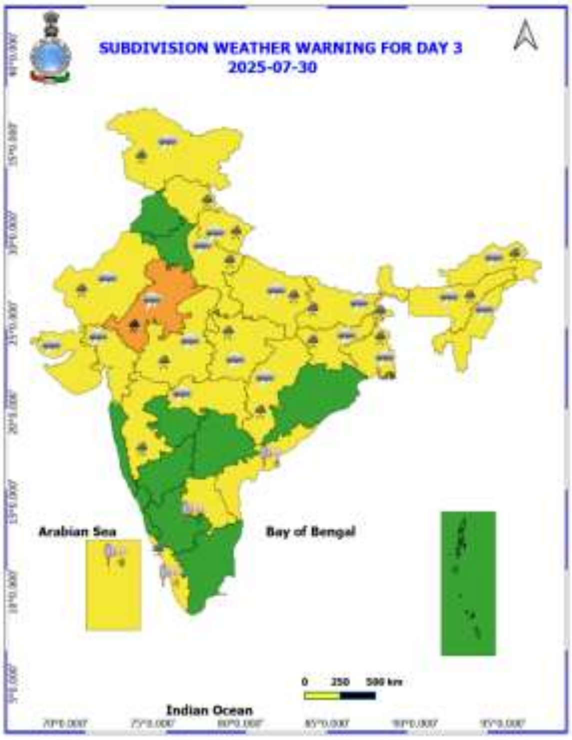
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-07-30
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

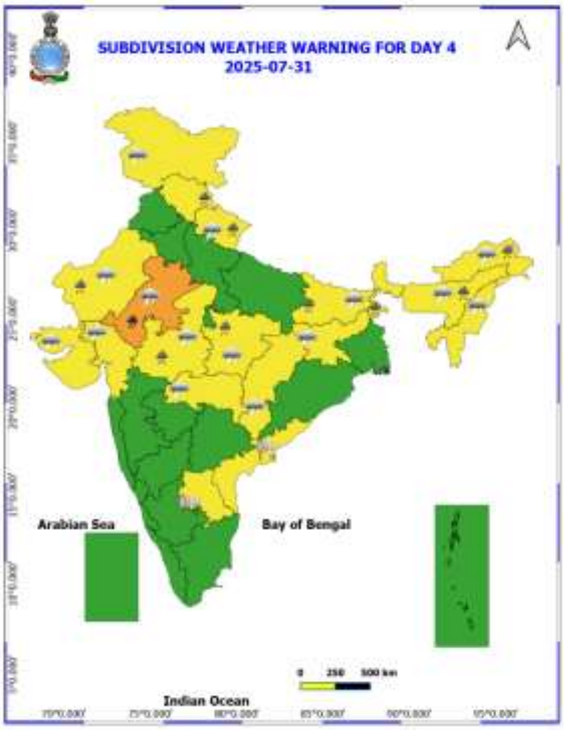

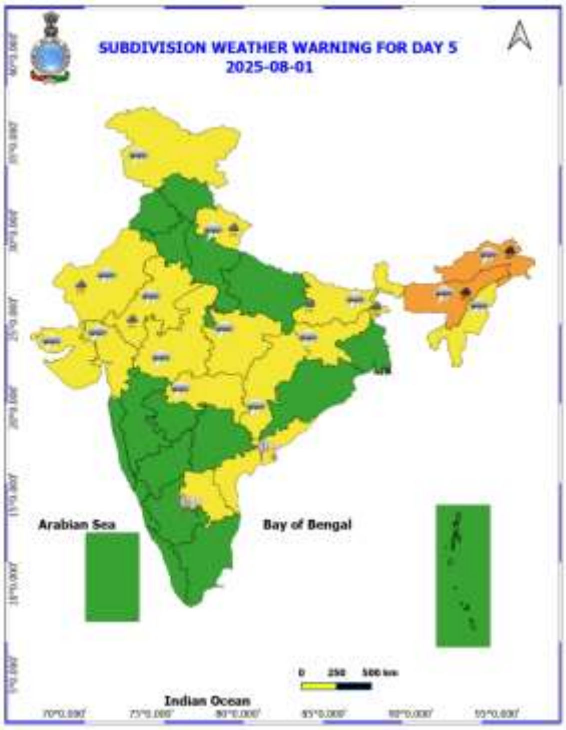

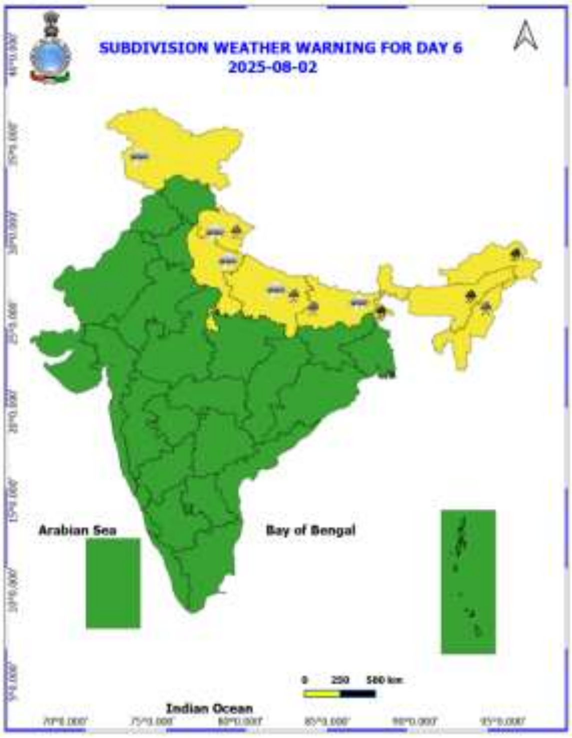

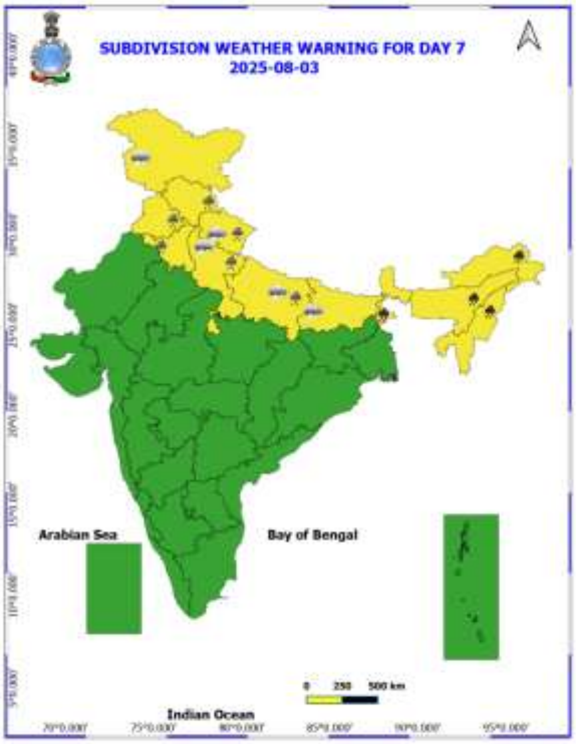

- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

दिल्ली/एनसीआर में 28 **से** 31 **जुलाई** 2025 **के दौरान मौसम पूर्वानुमान**

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम और अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं देखा गया। दिल्ली में अधिकतम तापमान लगभग 35 से 37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान लगभग 27 से 29 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 3 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रहा। आंशिक रूप से बादल छाए रहे और सतही हवाएं दक्षिण-पूर्व/उत्तर-पूर्व दिशा से लगभग 16 किमी प्रति घंटे की गति से चलीं। आज पूर्वाह्न में क्षेत्र में आमतौर पर बादल छाए रहे और सतही हवाएं दक्षिण-पूर्व दिशा से 08 किमी प्रति घंटे से कम गति से चलीं।

मौसम पूर्वानुमान:

28.07.2025: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज और बिजली गिरने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 34 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है, जो सामान्य के करीब रहेगा। मुख्य सतही हवा दोपहर में दक्षिण-पूर्व दिशा से 10 किमी प्रति घंटे से कम की गति से चलेगी, जो शाम और रात में बढ़कर 15 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

29.07.2025: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज और बिजली गिरने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 29 से 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस अधिक और अधिकतम तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा। मुख्य सतही हवा सुबह के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से 10 किमी प्रति घंटे से कम गति से चलेगी। दोपहर में यह गति बढ़कर 25 किमी प्रति घंटे से कम हो सकती है और शाम/रात में घटकर 15 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

30.07.2025: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज और बिजली गिरने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 30 से 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा। सुबह के समय मुख्य सतही हवा पूर्व दिशा से 10 किमी प्रति घंटे से कम की गति से चलेगी, जो दोपहर में दक्षिण-पूर्व दिशा से 20 किमी प्रति घंटे से कम की गति तक बढ़ सकती है और शाम/रात में घटकर 15 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

31.07.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ गरज और बिजली गिरने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 31 से 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 3 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा। मुख्य सतही हवा सुबह के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी प्रति घंटे से कम की गति से चलेगी, जो दोपहर में बढ़कर 20 किमी प्रति घंटे से कम हो सकती है और शाम/रात में घटकर 15 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

हल्की से मध्यम वर्षा तथा गरज/बिजली गिरने के कारण संभावित प्रभाव एवं सुझाए गए एहतियाती कदम:

- गरज/बिजली गिरने की संभावना के कारण सतर्क रहें और सावधानी बरतें।
- खड़ी फसलों को नुकसान, पेड़ों की टहनियों के टूटने से बिजली एवं संचार लाइनों को आंशिक से गंभीर क्षति, कमजोर संरचनाओं को आंशिक क्षति, और खुले में रखी वस्तुएं उड़ सकती हैं। लोगों को सलाह दी जाती है कि मौसम की स्थिति पर नज़र रखें, खराब स्थिति होने पर सुरक्षित स्थानों की ओर जाएं।
- घर के अंदर रहें, खिड़की-दरवाजे बंद रखें और यात्रा से बचें। सुरक्षित आश्रय लें, पेड़ों के नीचे शरण न लें, कंक्रीट की दीवारों के पास न टिकें और कंक्रीट फर्श पर न लेटें।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें, जल स्रोतों से दूर रहें और बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- ❖ 28 और 29 जुलाई को पूर्वी राजस्थान में; 28 जुलाई को गुजरात क्षेत्र, दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश, मेघालय में अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 28 जुलाई को उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल के गंगा के तटीय क्षेत्रों में; 29 जुलाई को पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश में; 30 और 31 जुलाई को पूर्वी राजस्थान में; 28 जुलाई और 1-3 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम में; 28 और 29 को बिहार में; 29 को मध्य प्रदेश में; 2 और 3 अगस्त को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव

❖ स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।

❖ भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।

❖ सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।

❖ कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।

❖ कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।

❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना।

❖ जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।

❖ इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

❖ अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।

❖ इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।

❖ उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।

❖ असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी वर्षा / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ➢ **पूर्वी राजस्थान** में, **उप-आर्द्र दक्षिणी मैदान और अरावली पर्वतीय क्षेत्र** तथा **बाढ़ प्रवण पूर्वी मैदानी क्षेत्र** में मूंग, बाजरा, ग्वार और तिल की बुवाई भारी वर्षा बंद होने तक स्थगित रखें और पहले से बोए गए खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु उचित व्यवस्था करें। **दक्षिणी आर्द्र मैदानी क्षेत्र** में, भारी वर्षा बंद होने तक मक्का की बुवाई स्थगित रखें और कपास एवं सोयाबीन के खेतों में अतिरिक्त पानी निकालने हेतु उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। **दक्षिण-पूर्वी आर्द्र मैदानी क्षेत्र** में धान की नर्सरी, मक्का, सोयाबीन और उड़द के खेतों तथा **अर्ध-शुष्क पूर्वी मैदानी क्षेत्र** में बाजरा और मूंगफली के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु उचित व्यवस्था करें।
- ➢ **मध्य प्रदेश** में, **मालवा पठार क्षेत्र** में सोयाबीन और मक्का की फसलों में; **कयमोर पठार और सतपुड़ा पहाड़ी क्षेत्र** में धान, मक्का और सोयाबीन की फसलों में; **विंध्य पठार क्षेत्र** में सोयाबीन, धान, मक्का और अरहर की फसलों में; **बुंदेलखंड क्षेत्र** में धान और सब्जियों की फसलों में; **सतपुड़ा पठार क्षेत्र** में मक्का, सोयाबीन, कपास, गन्ना और सब्जियों की फसलों में; **झाबुआ पहाड़ी क्षेत्र** में सोयाबीन, मक्का, कपास और उड़द की फसलों में; **मध्य नर्मदा घाटी क्षेत्र** में धान, सोयाबीन, मक्का, गन्ना और सब्जियों की फसलों में तथा **निमाड़ घाटी क्षेत्र** में सोयाबीन, अरहर, कपास और सब्जियों की फसलों में पर्याप्त जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। **गिर्द क्षेत्र** में, बाजरे की बुवाई स्थगित करें और सोयाबीन, अरहर एवं रोपे गए धान की फसलों में अतिरिक्त पानी निकालने हेतु उचित व्यवस्था करें।

- **गुजरात** में, **उत्तर गुजरात क्षेत्र** में मूंगफली, मक्का, बाजरा, मूंग और तिल के खेतों से; **मध्य गुजरात क्षेत्र** में रोपे गए धान, कपास, बाजरा, अरहर, सोयाबीन और सब्जियों से; **दक्षिण गुजरात भारी वर्षा क्षेत्र** में गन्ना, धान और सब्जियों से तथा **दक्षिण गुजरात क्षेत्र** में गन्ना, कपास, अरहर, रोपे गए धान और सब्जियों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु उचित व्यवस्था करें।
- **महाराष्ट्र** में, **कोंकण** में धान, रागी, हल्दी, मूंगफली के खेतों और नए बोए गए नारियल, सुपारी, आम और काजू के बागानों से; **मध्य महाराष्ट्र** के **घाट क्षेत्रों** में धान और रागी के खेतों से; **मराठवाड़ा** में सोयाबीन, बाजरा, हल्दी, गन्ना एवं सब्जियों के खेतों तथा फलों के बागानों से एवं **पूर्वी विदर्भ** में धान की नर्सरियों, बागानों, सब्जी नर्सरियों, रोपे गए धान के खेतों और पहले से बोई गई खरीफ फसलों जैसे सोयाबीन, कपास और अरहर से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु उचित व्यवस्था करें। **पुणे** और **नासिक जिलों** के **घाट क्षेत्रों** में तथा **रायगढ़** और **पालघर जिलों** में धान की रोपाई स्थगित करें।
- **छत्तीसगढ़** में भारी वर्षा के दौरान अरहर की बुवाई न करें। **मैदानी क्षेत्र** में धान की नर्सरी, सोयाबीन, अरहर, मूंग, उड़द, मक्का, गन्ना और सब्जियों के खेतों से; **बस्तर पठारी क्षेत्र** में धान, लघु अनाज, मक्का, दलहन और तिलहन के खेतों से और **उत्तरी पहाड़ी क्षेत्र** में अरहर, सब्जियों और रोपे गए धान के खेतों से अतिरिक्त पानी की निकासी करें।
- **उत्तराखंड** में, **भाबर और तराई क्षेत्र** में धान, **पहाड़ी क्षेत्र** में उड़द और **उप-आर्द्र उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र** में धान, बाजरा, रागी और खीरे के खेतों में उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें।
- **हिमाचल प्रदेश** में मक्का, रागी और सब्जियों जैसी खड़ी फसलों के खेतों में जल निकासी हेतु उचित नालियाँ बनाएँ। ऊँची और फलीदार फसलों और खीरे की बेलों को सहारा प्रदान करें।
- **कर्नाटक** में, **तटीय क्षेत्र** में धान की नर्सरी बुवाई स्थगित करें और सुपारी के खेतों तथा केले के बागानों में जल निकासी की व्यवस्था करें। **पहाड़ी क्षेत्र** में, धान की नर्सरी, मक्का, कपास, अदरक के खेतों और सुपारी के बागानों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें। **दक्षिणी संक्रमण क्षेत्र** में, सुपारी और नारियल के खेतों में उचित जल निकासी की व्यवस्था करें। **दक्षिणी शुष्क क्षेत्र** में, मक्का, टमाटर और केले की फसल को सहारा प्रदान करें। विशेष रूप से धान, सब्जियों और मसाला फसलों में जलभराव को रोकने हेतु उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **केरल** में, धान, नारियल, केला और अदरक के खेतों में पर्याप्त जल निकासी की व्यवस्था करें। धान की नर्सरी / रोपाई स्थगित करें। सब्जियों में सहारा प्रदान करें।
- **अरुणाचल प्रदेश** में, परिपक्व सोयाबीन की तुरंत कटाई करें और काटी गई उपज को सुरक्षित स्थान पर भंडारित करें। भारी वर्षा के दौरान बाजरे की बुवाई / रोपाई और धान की रोपाई स्थगित कर दें। पहले से बोई / रोपी गई रागी, बागों, सब्जियों के खेतों और रोपी गई धान की फसलों में उचित जल निकासी बनाए रखें।
- **असम** में, जलभराव से बचाव हेतु **पहाड़ी क्षेत्र** में साली धान, गन्ना, तिल और फलों के बागानों में; **निचले ब्रह्मपुत्र घाटी क्षेत्र** में जूट और साली धान के खेतों में; **ऊपरी ब्रह्मपुत्र घाटी क्षेत्र** में साली धान के खेतों और सुपारी के बागानों में; **बराक घाटी क्षेत्र** में साली धान के खेतों में तथा **मध्य ब्रह्मपुत्र घाटी क्षेत्र में** साली धान की नर्सरियां, मक्का, जूट, गन्ना, सब्जियों और रोपित साली धान के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **मेघालय** में, खासकर घाटी वाले इलाकों में, नर्सरी में धान की बुवाई न करें। नर्सरी क्यारियों के आस-पास उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें। सब्ज़ियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु उचित व्यवस्था करें और निचले इलाकों में धान के खेतों में मेड़ों की मरम्मत करें।
- **त्रिपुरा** में, जल्दी रोपे गए साली धान के खेतों से अतिरिक्त पानी की निकासी करें। धान और सब्ज़ियों के खेतों में अतिरिक्त पानी की शीघ्र निकासी सुनिश्चित करने के लिए जल निकासी नालियों को साफ़ रखें।
- **मणिपुर** में, सोयाबीन, मूंगफली, रागी, मक्का, उड़द, अदरक, हल्दी, सब्ज़ियों के खेतों और फलों के बागों में पर्याप्त जल निकासी की व्यवस्था करें।
- **नागालैंड** में, मक्का और अदरक के खेतों में जलजमाव से बचाव हेतु उचित जल निकासी नालियाँ बनाएँ।
- **मिज़ोरम** में, मक्के के पके हुए भुट्टों की कटाई करें। वर्षा जल को रोकने और अपवाह को कम करने के लिए धान के खेतों के चारों ओर मज़बूत मेड़ बनाएँ।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

आकस्मिक बाढ़ मार्गदर्शन:

29-07-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

हिमाचल प्रदेश - चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला और सिरमौर जिले।
उत्तराखंड - अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, चंपावत, देहरादून, हरिद्वार, नैनीताल, पौड़ी गढ़वाल, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल, उधम सिंह नगर और उत्तरकाशी जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।

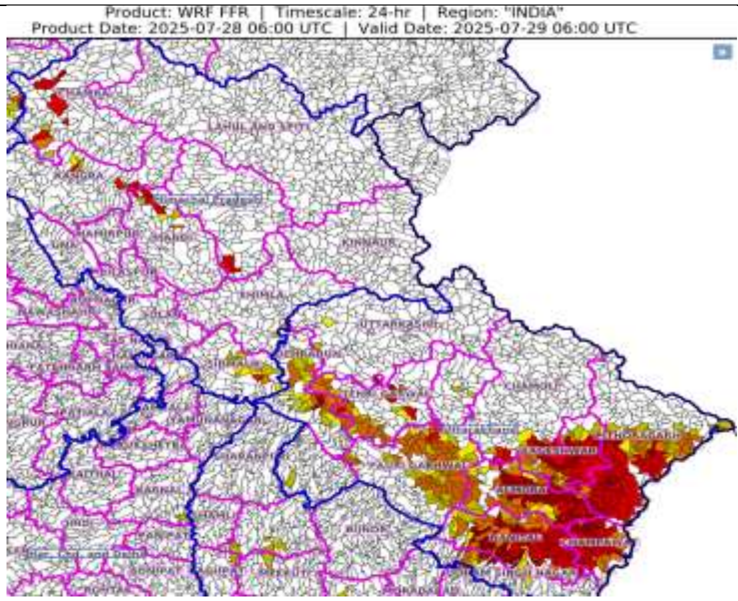

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिम भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

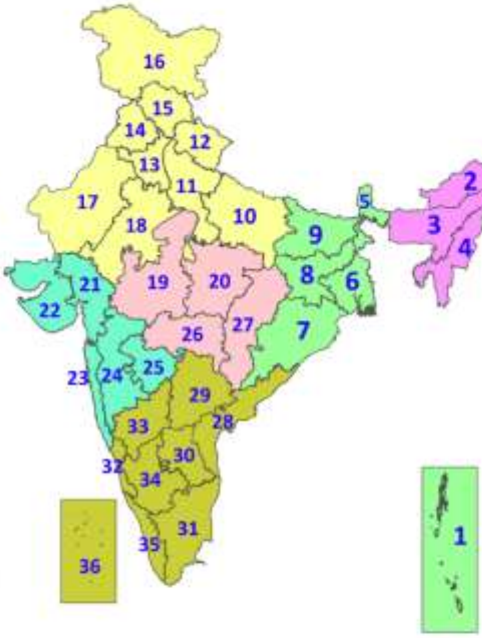

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- Fog
- Heavy Rain
- Very Heavy Rain
- Extremely Heavy Rain
- Thunder & Lightning
- Hailstorm
- Dust Raising Winds
- Heavy Snow
- Dust Storm
- Heat Wave
- Warm Night
- Hot Day
- Hot & Humid
- Strong Surface Winds
- Cold Wave
- Cold Day
- Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)